

---

# Nagakumarikabhih Kritam Shiva Stotram

नागकुमारिकाभिः कृतं शिवस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Nagakumarikabhih Kritam Shiva Stotram

File name : nAgakumArikAbhiHkRRitaMshivastotram.itx

Category : shiva, skandapurANa, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : skandapurANa | kAshIkhaNDa | uttarakhaNDa | adhyAya 76/104-115||

Latest update : June 24, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 24, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Nagakumarikabhih Kritam Shiva Stotram

---

नागकुमारिकाभिः कृतं शिवस्तोत्रम्

---



ववन्दुरथ ता भाला ज्ञात्वा लक्ष्मभिरिश्वरम् ।  
तुष्टुश्च प्रलृष्टास्याः सन्नकण्ठयोऽतिगद्गदम् ॥ १०४ ॥  
जय शम्भो जयेशान जय सर्वग सर्वद ।  
जय त्रिपुरसंलर्तर्ज्यान्धकनिषूदन ॥ १०५ ॥  
जय जालन्धरदर जय कन्दर्पदण्डित् ।  
जय त्रैलोक्यजनक जय त्रैलोक्यवर्धन ॥ १०६ ॥  
जय त्रैलोक्यनिलय जय त्रैलोक्यवन्दित ।  
जय भक्तजनाधीन जय प्रमथनायक ॥ १०७ ॥  
जय त्रिपथगापाथःप्रक्षालितजटातट ।  
जय चन्द्रकलाजयोतिर्विद्योतितजगत्त्रय ॥ १०८ ॥  
जय सर्पकुण्डारत्नप्रभाभासितविग्रह ।  
जयाद्विश्रजतनयातपःकीतार्धदण्डक ॥ १०९ ॥  
जय शमशाननिलय जय वाराणसीप्रिय ।  
जयानन्दवनाध्यासि प्राणिनिर्वाणदायक ॥ ११० ॥  
जय विश्वपते शर्व शर्वरीपरिवर्जित ।  
जय नृत्यप्रियेशोग्र जय गीतविशारद ॥ १११ ॥  
जय प्रणवसद्भास जय धाम मडानिधे ।  
जय शूलिन्विडुपाक्ष जय प्रणतसर्वद ॥ ११२ ॥  
विधिः सर्वविधिज्ञोऽपि न त्वां स्तोतुं विचक्षणः ।  
वायो वायस्मतेर्नाथ त्वत्स्तुतौ परिकुण्ठिताः ॥ ११३ ॥  
विदन्ति वेदाः सर्वज्ञा न त्वां नाथ यथार्थतः ।  
मनतीह मनो न त्वामनन्तं यादिवर्जितम् ॥ ११४ ॥

नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमो नमः ।

त्रिलोक्येन नमस्तुभ्यं त्रिविष्टप नमोऽस्तु ते ॥ ११५ ॥

एति श्रीस्काण्डपुराणे काशीभाण्डे पूर्वार्द्धे षट्सप्ततितमा- ध्यायान्तर्गतं

नागकुमारिकाभिः कृतं शिवस्तोत्रं समाप्तम् ।

स्कन्दपुराण । काशीभाण्ड । उत्तरभाण्ड । अध्याय ७६/१०४-११५ ॥

skandapurANa . kAshIkhaNDa . uttarakhaNDa . adhyAya 76/104-115..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Nagakumarikabih Kritam Shiva Stotram*

pdf was typeset on June 24, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

